an>

Title: Need to provide reservation to the Marathas residing in various parts of the country.

श्री अरविंद सावंत (मुम्बई दक्षिण) : महोदया, पिछले शनिवार और रविवार को हम दिल्ली में रहे तथा चार सांसद पानीपत और कुरुक्षेत्र में गए थे। वहां कुछ लोगों से मिले। पानीपत के युद्ध के बाद में भी जो मराठा महाराष्ट्र से यहां आए, उन्हें रोड मराठा के नाम से जाना जाता है। महाराष्ट्र का इतिहास गौरवशाली है। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा लेकर पेशवा पुणे से आगे बढ़ते-बढ़ते दिल्ली तक पहुंचे और दिल्ली में अब्दाली को हराया। अब्दाली हारने के पश्चात अफगानिस्तान जाते समय पानीपत में रुका। जब पेशवाओं को इस बात का पता चला तो पानीपत में वर्ष 1761 में युद्ध किया। उस युद्ध में हम हारे लेकिन फिर भी वहां अब्दाली अपना राज्य स्थापित नहीं कर पाया क्योंकि हारने वालों में से माधव जी शिंदे ने कहा कि बचेंगे तो और भी लड़ेंगे - यह मराठों का अपना हौसला था। इसे देखकर अब्दाली यहां अपना शासन स्थापित नहीं कर पाया। आज वह रोड मराठा समाज 250 साल हो गए हैं, 7 या 8 लाख लोग दिल्ली से लेकर कुरुक्षेत्र में दिल्ली के आस-पास रहते हैं। पूर्व सरकारों से इन्होंने मांग की थी कि हमें मिलिट्री में मराठा रेजीमेंट में भर्ती किया जाए। इस बात को मान्यता दी गई और हरियाणा में मराठा रेजीमेंट खोली गई। इसके बाद पता नहीं क्यों मराठा रेजीमेंट बंद कर दी गई। जब हम उनसे मिले तो उन्होंने फिर मांग की कि हम यहां माइनोरिटी में हैं इसलिए हमारी तरफ कोई ध्यान नहीं देता है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि पानीपत के युद्ध में जितने मराठा वीरगति को प्राप्त हुए, समाज के लिए जो वीरगति को प्राप्त होते हैं वह मरता नहीं है वह या तो दुश्मन को मिट्टी में मिला देता है या स्वयं के खून से मिट्टी को सजा देता है।

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री अरविंद सावंत : आज 250 साल बाद भी वे लोग वहां रहते हैं। अब्दाली ने बाद में जा कर कहा था कि अगर यहां मराठा हुए तो उनका सिर काटकर लाने वाले को पांच लाख रुपए देगा।

माननीय अध्यक्ष : आप इतिहास की बात को दोहरा रहे हैं।

श्री अरविंद सावंत : महोदया, आप महाराष्ट्र के इतिहास को अच्छी तरह से जानती हैं। आप सोच सकती हैं जब उस समाज के लोगों ने हमसे अपना दुख कहा तो हमें कितना सदमा लगा होगा। वे बहुत छोटी मांग कर रहे हैं कि फिर से मराठा रेजीमेंट खोला जाए। रोड मराठा लोगों को मराठा रेजीमेंट में भर्ती करने की अनुमति मिले। अगर उन्हें माइनोरिटी समझ कर कुछ सुविधाएं दी जाएं तो वह समाज आगे बढ़ सकेगा। 250 साल के बाद भी इतिहास को बरकरार रखने वाले समाज का मैं खासकर अभिनंदन करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि सरकार इनकी सहायता करे।

माननीय अध्यक्ष :

सर्वश्री विनायक भाऊराव राऊत,

राजन विचारे,

श्रीरंग आप्पा बारणे,

प्रतापराव जाधव,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

राहुल रमेश शेवाले,

सुधीर गुप्ता,

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे और

श्रीमती भावना पुंडलिकराव गवली को श्री अरविंद सावंत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।